No. of Printed Pages : 8

BPYE-001

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

(PHILOSOPHY) (BDP)

Term-End Examination

December, 2021

BPYE-001 : PHILOSOPHY OF RELIGION

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : (*i*) *Answer all the questions.*

(*ii*) *All questions carry equal marks.*

(*iii*) *Answers to Question No. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

1. Give some traditional arguments for proving the existence of God. Do you agree with them ? 20

Or

Elaborate upon the psychological and sociological theories of the origin of religion.

2. Explain the significance of religious experience. 20

Or

Give the importance of inter-religious dialogue.

3. Answer any ***two*** of the following questions in about **200** words each : 10 each

   (a) What is religious fundamentalism ? How can we avoid it ?

   (b) What is religious language ? How is it different from other languages ?

   (c) What are some of the problems in defining religion ?

(d) What is divine eternity ? Briefly mention arguments given in favour of this view ?

4. Answer any ***four*** of the following questions in about **150** words each : 5 each

(a) What is the problem of atheism and agnosticism ?

(b) Briefly mention some modern arguments for the existence of God.

(c) Comment on the anthropological origin of religion.

(d) What is 'the experience of the holy' as elaborated by Rudolf Otto ?

(e) What is mysticism ? How is it related to religion ?

(f) Discuss plurality as a way of life, especially in religions.

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about **100** words each : 4 each

(a) Requisites for genuine interreligious dialogue

(b) Mysteriusm, tremendum et fascinans

(c) *Numinous*

(d) Totemism

(e) Taboo

(f) Ontological argument

(g) Causation

(h) God as creator

BPYE-001

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (दर्शनशास्त्र)

(बी.डी.पी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर. 2021

बी.पी.वाई.ई.-001 : धर्मदर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

*(iii) प्रश्न संख्या **1** और **2** में प्रत्येक का उत्तर लगभग **400** शब्दों में दीजिए।*

---

1. ईश्वर के अस्तित्व की सिद्धि हेत प्रदत्त पारम्परिक यक्तियों को लिखिए। क्या आप इन यक्तियों से सहमत हैं ? 20

अथवा

धर्म की उत्पत्ति सम्बन्धी मनोवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय सिद्धान्तों का विशद वर्णन कीजिए।

2. धार्मिक अनभव के महत्व की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

अंत:धार्मिक सम्वाद की महत्ता की चर्चा कीजिए।

3. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **200** शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 10

(क) धार्मिक कटटरतावाद क्या है ? हम इससे कैसे बच सकते हैं ?

(ख) धार्मिक भाषा क्या है ? यह अन्य भाषाओं से किस तरह भिन्न है ?

(ग) धर्म को परिभाषित करने में आने वाली कछ कठिनाइयाँ बताइये।

(घ) दैवीय अमरत्व (शाश्वतता) क्या है ? इस मत के समर्थन में प्रस्तत यक्तियों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

4. किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 5

(क) निरीश्वरवाद और अज्ञेयवाद की समस्या क्या है ?

(ख) ईश्वर के अस्तित्व के समर्थन में प्रस्तत कछ यक्तियों का संक्षिप्त उल्लेख कीजिए।

(ग) धर्म की उत्पत्ति के मानवशास्त्रीय दष्टिकोण पर टिप्पणी कीजिए।

(घ) रूडोल्फ ऑटो द्वारा व्याख्यायित 'धर्मात्मा का अनभव' क्या है ?

(ङ) रहस्यवाद क्या है ? यह धर्म से किस तरह सम्बन्धित है ?

(च) मख्यत: धर्मों के विषय में, बहलतावाद की जीवन-पद्धति के रूप में चर्चा कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर (प्रत्येक) लगभग **100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 4

(क) वास्तविक अन्त:धार्मिक सम्वाद की आवश्यकताएँ

(ख) मिस्टीरियस्म, ट्रेमेन्डम एट फेसिनेन्स

(ग) दिव्यतत्व

(घ) टोटेमवाद

(ङ) वर्जना (टैब)

(च) सत्तामीमांसीय यक्ति

(छ) कारणता

(ज) ईश्वर सष्टा के रूप में